

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल 4090 ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक: /2002, नि 0 मा 0

R 1483- III/2002

आवेदन संदिग्ध तोमर जी 10. वि. सं. 25/6/02 को प्रत्युत्तर।

27 JUN 2002

1. परमानन्द पुत्र गोकुल जाति ब्राह्मण
2. गणेशराम पुत्र गोकुल, जाति ब्राह्मण
3. मिठठनलाल पुत्र रामप्रसाद
4. भवानी प्रकर पुत्र रामप्रसाद
5. मुन्नालाल पुत्र रामप्रसाद
6. भक्तो देवा रामप्रसाद Deleted As per order dated 03/9/15
7. ग्यासी फोत वारिस हरनारायण 03/9/15
8. लज्जाराम पुत्र ग्यासी
9. बल्लभ पुत्र ग्यासी
10. मुन्ना पुत्र ग्यासी
11. चेताराम पुत्र ग्यासी
12. गिराँज पुत्र नैकसिया
13. ब्रजेश पुत्र नैकसिया
समस्त निवासीगण- नन्द गांगोली
14. मीरा पुत्री नैकसिया पत्नी दीबदयाल
निवासी ग्राम छतरी का पुरा मौजा ग्मेधा
परगना जौरा जिला मुरैना
15. मथुरा पुत्री रामप्रसाद पत्नी रामेश्वर
निवासी मुडियाडा तहसील मुरैना
16. रामरती पुत्री रामप्रसाद पत्नी रामेश्वर
निवासी छतरपुर मौजा विण्डवा
17. गीता पुत्री रामप्रसाद पत्नी अवधेश
निवासी केंधरी तहसील मुरैना
18. राधी विधावा पत्नी गोपाल पुत्री गोकुल Deleted As per order dated 03/9/15
निवासी बहोदापुर ग्वालियर
19. बाबूलाल पुत्र हरवल्लभ 03/9/15
20. मुन्नालाल पुत्र हुब्बलाल
21. नन्थीलाल पुत्र हुब्बलाल
निवासी- गणेशपुरा मुरैना

MS 198

18. शमशी विधावा पत्नी गोपाल पुत्री गोकुल मृतवारिमान

(अ) चन्द्रशेखर पुत्र गोपाल, आयु 55 वर्ष;

(ब) प्रेमनारायण पुत्र गोपाल, आयु 52 वर्ष;

(अ) विष्णू पुत्र गोपाल, आयु 50 वर्ष;

(द) गिरराज पुत्र गोपाल, आयु 46 वर्ष;

मिनासीगण- नदीहवा प्र. अ. प्र. वि. अ.

Amended AS per order dated 03/9/2015

03/9/2015

25/6/02

R/14

क्र. 22. करना पुत्र गोविन्द निवासी हाल मुरार
~~मृत नारिण प्रारदा पुत्री करना,~~
 Amended As Per आवेदकगण/रिस्पॉन्डेंट्स
 order dated 03/9/15
 बनाम माम
 03/9/15

① देवती पुत्री तेजसिंह विधवा पत्नी
 नरलाल मृत वारिष्ठान

शेषवर्ष

~~1. रेवती पुत्री तेजसिंह विधवा पत्नी बाबूलाल
 Deleted As Per order dated 03/9/2015~~

✓ (अ) रामाधार पुत्र नारलाल, आयु 55 वर्ष,

(ब) सिंहराम पुत्र नारलाल, आयु 53 वर्ष,

(ख) मुन्नीलाल पुत्र नारलाल, आयु 50 वर्ष,

निवासीगण-सुभावली तहसील जौरा

Amended As Per order dated
 03/9/2015

माम
 03/9/15

2. रामदुलारे पुत्र हुब्बलाल

3. रामअवतार पुत्र हुब्बलाल

4. रामप्रकाश पुत्र हुब्बलाल

② रामदुलारी विधवा पत्नी नेकसिया, मृत वारिष्ठान

समस्त निवासीगण नन्द गोगोली हाल

(अ) गिरिश पुत्र नेकसिया, आयु 50 वर्ष,

(ब) गिरिजेश पुत्र नेकसिया, आयु 47 वर्ष,

(ख) रजिश पुत्र नेकसिया, आयु 45 वर्ष,

Amended As Per order dated

03/9/2015

माम
 03/9/15

निवासी विण्डवा

5. बाबूलाल पुत्र शींदूराम, निवासी नछव

गांगोली हाल विण्डवा तहसील जौरा

जिला मुरैना -- अपीलान्टस

क्र. 6.

~~रामदुलारी विधवा पत्नी नेकसिया (फोटो)~~

7. रामकटोरी पुत्री नेकसिया (फोटो) -- रिस्पॉन्डेंट
 नं. 22 व 23

--- --- अनावेदकगण

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 ए मओप्रओ भू राजस्व संहिता विरुद्ध
 आदेश दिनांक 21.03.2002 श्री अखिलेश्वर अरजरिया अपर आयुक्त
 चम्बल सम्भाग मुरैना जो प्रकरण क्रमांक 102/98-99 अपील रेवती आदि
 बनाम मिटठनलाल आदि में पारित किया गया ।

श्रीमान जी,

आवेदकगण की निगरानी अन्य आधारों के अलावा निम्न
 आधारों पर प्रस्तुत है :-

प्रकरण के तथ्य संधि में निम्न प्रकार है :-
 =====

॥अ॥ यह कि, विवाहित भूमि खाते की कृषि भूमि होकर सह-
 स्वाभित्व की भूमि है जिसका बंटवारा अर्सा करीब 17 वर्ष
 पूर्व दिनांक 05.11.85 को किया जाकर प्रत्येक सहस्वामी
 का नाम खसरा पंचशाला में पृथक हिस्सा अंकित किया गया ।
 उक्त आदेश के विरुद्ध अनावेदक क्रमांक 1 लगायत 5 ने अर्सा 11
 वर्ष 3 माह बाद अनुविभागीय अधिकारी जौरा के समक्ष अपील
 प्रस्तुत की जो दिनांक 24.05.99 को खारिज की गई ।

माम

03/9/15

XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - निग0 1483-तीन/02

जिला - मुरैना

स्थान तथा दिनांक	नार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
9.2.17	<p>प्रकरण का अवलोकन किया । यह निगरानी अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना के प्रकरण क्रमांक 102/98-99/अपील में पारित आदेश दिनांक 21-3-2002 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के तहत पेश की गई है ।</p> <p>2/ प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं कि राजस्व निरीक्षक द्वारा नामांतरण पंजी क्रमांक 44 दिनांक 20-10-85 द्वारा प्रश्नाधीन भूमि के सह खातेदारों के मध्य बटवारा स्वीकार किया गया । इस आदेश के विरुद्ध अनावेदक रेवती आदि द्वारा अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष अपील की गई । अनुविभागीय अधिकारी ने उक्त अपील अवधि बाह्य मानकर निरस्त की । इस आदेश के विरुद्ध अनावेदकों ने अधीनस्थ न्यायालय में द्वितीय अपील पेश की जो अपर आयुक्त ने आलोच्य आदेश द्वारा स्वीकार की एवं प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी को इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया है कि वे अपील को अवधि के अंदर मान्य कर प्रकरण का निराकरण गुणदोष पर किया जाये । अपर आयुक्त के इस आदेश के विरुद्ध यह निगरानी इस न्यायालय में पेश की गई है ।</p> <p>3/ प्रकरण में सुनवाई हेतु नियत दिनांक को अनावेदक क. 1 के वारिसों के अधिवक्ता के तर्क सुने गये थे एवं आवेदक</p>	

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

-4-

R-1483-15/02

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>को 10 दिवस में लिखित तर्क पेश करने का समय दिया गया था किंतु उनके द्वारा आज दिनांक तक लिखित तर्क पेश नहीं किये गये हैं । अतः प्रकरण का निराकरण उनके द्वारा निगरानी मेमो में उल्लिखित तर्कों के आधार पर किया जा रहा है ।</p> <p>4/ आवेदक की ओर से निगरानी मेमो में दिए गए तर्कों के परिप्रेक्ष्य में अभिलेख का अवलोकन किया गया । प्रकरण के अवलोकन से पाया जाता है कि अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष अनावेदकों द्वारा राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत अपील को अवधि बाह्य मानकर निरस्त किया गया, जिसके विरुद्ध प्रस्तुत द्वितीय अपील में अपर आयुक्त ने आलोच्य आदेश पारित किया है । आलोच्य आदेश द्वारा अपर आयुक्त ने यह पाया है कि नायब तहसीलदार को नामांतरण पंजी पर बटवारा करने का अधिकार नहीं है और ऐसे आदेश को विधिमान्यता नहीं दी जा सकती । राजस्व निरीक्षक द्वारा पारित किए गए अधिकारिता रहित आदेश के कारण अपर आयुक्त ने अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अनावेदकों द्वारा प्रस्तुत अपील को अवधि बाह्य मानकर निरस्त करना उचित नहीं माना है तथा उन्हें प्रकरण इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया है कि वे अपील को अवधि के अंदर मान्य कर प्रकरण का निराकरण गुणदोष पर किया जाये । प्रकरण के तथ्यों को देखते हुए अपर आयुक्त का आदेश औचित्यपूर्ण, न्यायिक एवं विधिसम्मत है जिसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है ।</p> <p>. उपरोक्त विवेचना के आधार पर यह निगरानी निरस्त की</p>	

R/12


QNA

XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - निग0 1483-तीन/02

जिला - मुरैना

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
P/11	<p>जाती है तथा अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश स्थिर रखा जाता है ।</p> <p>पक्षकार सूचित हों एवं अभिलेख वापिस हो</p>	<p> सदस्य</p>